an>

Title: Need to confer 'Bharat Ratna' award on Mahatma Jyotiba Phule.

**श्रीमती अनुप्रिया पटेल (मिर्ज़ापुर):** महोदया, मैं सरकार का ध्यान 19वीं शताब्दी के उस महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले के योगदान की ओर आकृÂष्ट करना चाहती हूं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन अछूतोद्धार एवं नारी शिक्षा के लिए समर्पित किया। उस दौर में मानवता पर कलंक के रूप में अस्पृश्यता जैसी कुरीति वीभत्स रूप में समाज में फैली हुई थी और स्त्रियों की शिक्षा को लेकर समाज में उदासीनता थी। महात्मा ज्योतिबा फूले ने समाज को इन कुरीतियों से मुक्त कराने का बीड़ा उठाया।

अछूतोद्धार के लिए उन्होंने सत्य शोधक समाज की स्थापना करके समाज में नए चिन्तन को पैदा किया। वÂर्ष 1888 में उनके इस भाव को देखकर उन्हें महात्मा की उपाधि से भी नवाजा गया। महिलाओं को बराबरी का अधिकार और सम्मान दिलाने के लिए उन्होंने पुणे में पहली बार भारत में नारी की शिक्षा के लिए पहला विद्यालय स्थापित किया। महिला शिक्षा के इस पुनीत कार्य में उन्होंने अपनी अर्द्धांगनी, अपनी पत्नी, माता सावित्री बाई फूले को भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। दोनों दंपति ने मिलकर समाज के भीतर तमाम अवरोधों और अपमानों का सामना करते हुए विधवा पुनर्विवाह, बाल विवाह कुप्रथा उन्मूलन और स्त्री शिक्षा की दिशा में निरन्तर संघर्ष किया। विपरीत परिस्थितियों में समाज के शोÂिषत और कमजोर वर्गों के लिए तथा स्त्रियों के उत्थान के लिए इस दम्पति ने जो योगदान दिया, उसके लिए वह भारत रत्न जैसे पुरस्कार के हकदार हैं। मेरा सरकार से आग्रह है कि उन्हें श्रद्धांजलि स्वरूप और समाज में प्रेरणास्वरूप स्थापित करने के लिए महात्मा ज्योतिबा फूले एवं उनकी पत्नी माता सावित्री बाई फूले, इस दंपति को भारत रत्न जैसे पुरस्कार से सम्मानित किया जाए। धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्ष :**

कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री अरविंद सावंत,

डॉ. किरीट सोमैया,

श्री रामचरण बोहरा,

डॉ. मनोज राजोरिया,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्रीमती मीनाक्षी लेखी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी,

श्री रोड़मल नागर,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री आलोक संजर,

श्री पी.पी.चौधरी और

श्री रवीन्द्र कुमार जेना को श्रीमती अनुप्रिया पटेल द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

**माननीय अध्यक्ष :** श्री निनोंग इरिंग उपस्थित नहीं।